

जब से मिली सरन

जब से मिली सरन, की मेरे दिन बदल गए
ऐसी लगी लगन, की मेरे दिन बदल गए

खाटू जो पंहुचा पहली बार, मन को लुभाया ये दरबार
हुक सी दिल में उठने लगी, श्याम से हो गया मुझको प्यार
झुक कर किया नमन, की मेरे दिन बदल गए
ऐसी लगी लगन,.....

श्याम ने सिर पर हाथ धरा, बोझ मेरे सिर का उतरा
कृपा श्याम ने बरसाई, बाग हो गया हरा-भरा
महका मेरा चमन, की मेरे दिन बदल गए
ऐसी लगी लगन.....

अब जीवन में मस्ती है, मेरी सुखी गृहसथी है
जो आनंद में लेता हुआ, दुनिया उसे तरसती है
रहता हुआ मैं मगन, की मेरे दिन बदल गए
ऐसी लगी लगन.....

श्याम के दर पर आता हुआ, कुछ लेकर ही जाता हुआ
बिन्नू कहता इसीलिए श्याम तराने गाता हुआ
करता हुआ मैं भजन, की मेरे दिन बदल गए
ऐसी लगी लगन.....

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/2957/title/jab-se-mili-saran-ki-mere-din-badal-gaye-esi-lgi-lagan-ki-mere-din-badal-gye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |